No. of Printed Pages : 8

BPYC-131

BACHELOR'S DEGREE PROGRAMME

(PHILOSOPHY) (BDP)

Term-End Examination

December, 2022

BPYC-131 : INDIAN PHILOSOPHY

Time : 3 Hours *Maximum Marks : 100*

Note : *(i) Answer all the **five** questions.*

(ii) All questions carry equal marks.

*(iii) Answer to Question no. **1** and **2** should be in about **400** words each.*

1. Is Indian Philosophy passimistic and escapist in nature ? Evaluate. 20

Or

Bring out the philosophical implications of 'Tajjalaniti'.

2. Give a detailed account of knowledge according to Carvaka. 20

Or

Write an essay on the Vaiseshika metaphysics explaining each of the categories.

3. Answer any ***two*** of the following questions in about **200** words each :

(a) Explain Svatah Pramanyavada. 10

(b) Highlight the *five* kinds of knowledge according to Jainism. 10

(c) Explain briefly Yajnavalkya's difference between one God and many Gods. 10

(d) Write a detailed note on the nature of Brahman according to Mundaka Upanishad. 10

4. Answer any ***four*** of the following questions in about **150** words each :

   (a) Make a distinction between Kevala Pramana and Anupramana. 5

   (b) What is Samanya Lakshana ? 5

   (c) Comment on the characters of the Ramayana, as moral ideals. 5

   (d) What are the *two* divisions of knowledge in Upanishads ? 5

   (e) Describe the relation between Jivatma and Parmatma. 5

   (f) What does the cosmic horse symbolize ? 5

5. Write short notes on any ***five*** of the following in about **100** words each :

   (a) Jivanmukti and Videhamukti 4

   (b) Svarthanumana and Pararthanumana 4

(c) Valid Knowledge (Pramana) 4

(d) Maya in Vishishtadvaita 4

(e) Stages of Citta (Citta Bhumi) 4

(f) Chaturvarna 4

(g) Svarupa and Virupa Parinama 4

(h) Shaiva Siddhanta 4

BPYC-131

स्नातक उपाधि कार्यक्रम (दर्शनशास्त्र)

(बी. डी. पी.)

सत्रांत परीक्षा

दिसम्बर, 2022

बी. पी. वाई. सी.-131 : भारतीय दर्शन

समय : 3 घण्टे *अधिकतम अंक : 100*

नोट : *(i) सभी* ***पाँच*** *प्रश्नों के उत्तर दीजिए।*

(ii) सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

(iii) प्रश्न संख्या ***1*** *और* ***2*** *में प्रत्येक का उत्तर लगभग* ***400*** *शब्दों में दीजिए।*

---

1. क्या भारतीय दर्शन प्रकृति में निराशावादी और पलायनवादी है ? मूल्यांकन कीजिए। 20

अथवा

'तज्जलानिति' के दार्शनिक निहितार्थों का विस्तृत विवरण दीजिए।

2. चार्वाक दर्शन के अनुसार ज्ञान का विस्तृत विवरण दीजिए। 20

अथवा

वैशेषिक दर्शन की तत्वमीमांसा पर उसकी प्रत्येक कोटि (पदार्थ) की व्याख्या करते हुए एक निबन्ध लिखिए।

3. किन्हीं ***दो*** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग **200** शब्दों में दीजिए :

(क) स्वतः प्रमाण्यवाद की व्याख्या कीजिए। 10

(ख) जैन दर्शन के अनुसार **पाँच** प्रकार के ज्ञान पर प्रकाश डालिए। 10

(ग) याज्ञवल्क्य के द्वारा प्रतिपादित एक ईश्वर और अनेक ईश्वरों के मध्य अन्तर की व्याख्या कीजिए। 10

(घ) मुण्डक उपनिषद् के अनुसार ब्रह्म की प्रकृति पर विस्तृत टिप्पणी लिखिए। 10

4. किन्हीं ***चार*** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग **150** शब्दों में दीजिए :

(क) केवल प्रमाण और अनुप्रमाण के मध्य अन्तर कीजिए। 5

(ख) सामान्य लक्षण क्या है ? 5

(ग) नैतिक आदर्श के रूप में रामायण के विभिन्न पात्रों पर टिप्पणी कीजिए। 5

(घ) उपनिषद् में प्रस्तुत **दो** प्रकार के ज्ञान कौन-से हैं ? 5

(ङ) जीवात्मा और परमात्मा के मध्य सम्बन्ध का वर्णन कीजिए। 5

(च) वैश्विक अश्व का प्रतीकात्मक अर्थ क्या है ? 5

5. किन्हीं ***पाँच*** पर लगभग **100** शब्दों में (प्रत्येक) संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए :

(क) जीवनमुक्ति और विदेहमुक्ति 4

(ख) स्वार्थानुमान एवं परार्थानुमान 4

(ग) वैध ज्ञान (प्रमाण) 4

(घ) विशिष्टाद्वैत में माया 4

(ङ) चित्तभूमि (चित्त की अवस्थाएँ) 4

(च) चतुर्वर्ण 4

(छ) स्वरूप और विरूप परिणाम 4

(ज) शैव सिद्धान्त 4